

आज की मुरली का सार ----

बाबा ने कहा, सच्चे रुहानी व्यापारी बन अपना सच्चा पोतामेल चेक करो की बाप को कितना याद किया ओर कोई भूल तो नहीं की?

हम सब जानते हे की ब्राह्मण जीवन की चार मुख्य धारणाये हे -

1. अमृतवेला योग
2. मुरली क्लास
3. कर्मयोगी जीवन
4. चार्ट

बाबा ने बताया की ब्राह्मण जीवन में हर एक को स्वयं का सच्चा चार्ट (पोतामेल) रखना बहुत जरूरी हैं. इसे ही स्वयं की प्रोग्रेस चेक भी हो सकती हैं.

हमारी पढ़ाई में दो मुख्य बातें हे. - खुद को आत्मिक स्थिति में स्थित कर, एक बाप को याद करो ओर दैवी-गुणों धारण करो.

दोनों बातों का आधार हे, हम कितना अशरीरी (बिजरूप) अवस्था का अभ्यास करते हे ओर मन-वचन-कर्म से किसी भी आत्मा को दुख तो नहीं देते (जिसे ही कहा कोई भूल तो नहीं करते).

दोनों बातों का अभ्यास करने के लिए, हमने याद ओर कर्म का एक चार्ट बनाया हे जो हम बहुत सहज रूप से सच्चाई-सफाई से लिख सकते हे ओर अपनी प्रोग्रेस को चेक भी कर सकते हे.

जब हम याद का चार्ट लिखते हे तो उसमें बड़ी सच्चाई से, स्वयं को अशरीरी स्थिति (बिजरूप स्थिति) में स्थित कर परमप्रिय-परमपिता-परमआत्मा को परमधाम में कितना समय तक याद किया वही लिखना हे (चलते-फिरते वाली याद नहीं लिखनी हे). क्योंकि बिजरूप अवस्थामे कि हुई याद से ही हमारे 63 जन्मों के विकर्म विनाश होते हे ओर आत्मा पावन बनती हैं.

वैसे ही कर्मों का चार्ट में, सारे दिन में, हमारे मन-वचन-कर्म से जो भी बुरे कर्म होते हे (मन से किसी के प्रति व्यर्थ या गलत संकल्प चलना भी बुरे कर्म हे) उसे बड़ी सच्चाई-सफाई से लिखेंगे तो हम उस पर वर्क कर फिर से वही गलती दूसरी बार न हो उसका ध्यान जरूर रखेंगे ओर हमारी प्रोग्रेस भी चेक कर सकेंगे.

स्वपूरुषार्थ के लिए याद ओर कर्मों का चार्ट इस मुरली सार के साथ भेज रहे हे.

ॐ शांति.